@TSJMC__CCSU
@TilakNewsCCSU
@tsjmc_ccsu
RADIO CCSU 90.8
Community Radio Station

मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

CHAUDHARY CHARAN SINGH UNIVERSITY, MEERUT

फरवरी–मार्च 2025 अंक

प्रदेश में 1st, देश में 4th रैंकिंग वाला मीडिया संस्थान

NAAC A++

विश्वविद्यालय में हुई छठी वरिष्ठ वेस्ट जोन राष्ट्रीय सॉफ्टबाल प्रतियोगिता का उद्‌घाटन करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला। *(खबर पेज 4 पर)*

प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में सीसीएसयू प्रथम

- सिमैगो इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग–2025 में देशभर के 415 उच्च शिक्षण संस्थानों में ओवरऑल 29वीं रैंक मिली
- कुछ सेक्टरों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएनयू से भी आगे निकला

<u>परिसर संवाददाता</u>

मेरठ। सिमैगो इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग–2025 में देशभर के 415 उच्च शिक्षण संस्थानों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में पहली और देश के ओवरऑल उच्च शिक्षण संस्थानों में 29वीं रैंक मिली है। यह विश्वविद्यालय को मिली अब तक की सबसे बेहतर रैंक है। विशेष बात यह भी है कि इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस में तो सीसीएसयू को दिल्ली विश्वविद्यालय से भी अच्छी रैंक मिली है। एग्रीकल्चरल और बायोलॉजिकल साइंस में सीसीएसयू ने जेएनयू दिल्ली से बेहतर रैंक प्राप्त की है।

इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में सीसीएसयू को क्रमशः 21वीं और 22वीं रैंक मिली है, जबकि दिल्ली विश्वविद्यालय को इन सेक्टर में क्रमशः 25वां और 35वां स्थान मिला है। सीसीएसयू को बायोकेमिस्ट्री, जेनेटिक्स एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी में 24वां और एग्रीकल्चरल एंड बायोलॉजिकल साइंसेज में 26वां स्थान प्राप्त हुआ है। केमिस्ट्री में सीसीएसयू को 59वीं और गणित में 129वीं रैंक मिली है।

सिमेगौ रैंकिंग संस्थान इस रैंकिंग में विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों का मूल्यांकन तीन प्रमुख मानकों के आधार पर करता है। ये हैं– शोध प्रदर्शन, नवाचार आउटपुट और वेब दृश्यता द्वारा सामाजिक प्रभाव। रैंकिंग में शोध प्रदर्शन का योगदान 50 प्रतिशत, नवाचार आउटपुट का योगदान 30 प्रतिशत और सामाजिक प्रभाव का 20 प्रतिशत होता है।

शोध पत्रों स्कोपस और पेटेंट, नवाचार के लिए पैटसैट और वेब दृश्यता के लिए गूगल और सेमरश डाटा का प्रयोग किया जाता है। इसमें उच्च शिक्षण संस्थानों से कोई डाटा नहीं लिया जाता।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में सीसीएसयू 204वें स्थान पर.... ***पेज 2 पर***

सीसीएसयू और अन्य संस्थानों की तुलनात्मक रैंक

इंजीनियरिंग सेक्टर

संस्थान	रैंक
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय	21
आईआईटी, गुवाहाटी	22
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी धनबाद	23
दिल्ली विश्वविद्यालय	25
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी	26

कंप्यूटर साइंस

संस्थान	रैंक
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय	22
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर	24
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी धनबाद	28
जाधवपुर विश्वविद्यालय	34
दिल्ली विश्वविद्यालय	35

बायोकेमिस्ट्री, जेनेटिक्स एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी

संस्थान	रैंक
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय	24
पंजाब विश्वविद्यालय	25
आईआईटी वाराणसी	27
जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय	28
बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस	29

एग्रीकल्चरल एंड बायोलॉजिकल साइंसेज

संस्थान	रैंक
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय	26
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय	27
इंडियन इंस्टी ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली	29
आईआईटी वाराणसी	31
लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी	44

फिल्मों में भारतीय संस्कृति को दिखाकर समाज को जोड़ें

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल और मेरठ चलचित्र सोसायटी की ओर से आयोजित हुआ नवांकुर फिल्मोत्सव

<u>परिसर संवाददाता</u>

मेरठ। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल व मेरठ चलचित्र सोसायटी की ओर से रविवार 2 मार्च को अटल सभागार में नवांकुर फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में चयनित 20 फिल्में दिखाई गईं जिसमें 10 फिल्में 15 मिनट और 10 फिल्में पांच मिनट वाली थी। मुख्य वक्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख पदम सिंह ने कहा कि फिल्में भावना और संवेदना जोड़ने का काम करती हैं। यह लंबे समय तक हमें प्रभावित करती है। स्व पर, संस्कृति पर, कुल पर हमें गर्व करना चाहिए। फिल्मों के माध्यम से सनातन संस्कृति को समाज तक पहुंचाएं।

पदम सिंह ने बताया कि संघ सौ वर्ष पूर्ण होने पर समाज के बीच पांच विषयों, परिवार, पर्यावरण, सामाजिक समानता, स्व का जागरण और नागरिक के साथ पहुंचेगा। युवाओं को इन पांच विषयों पर

विजेता फिल्म के कलाकार को पुरस्कृत करते कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, मुख्य वक्ता पदम सिंह और विशिष्ट अतिथि अनीता चौधरी।

लघु फिल्म बनाकर समाज को जोड़ना चाहिए। अपनी फिल्मों में भारत और भारतीय संस्कृति दिखानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लड़ाई विचारों की है, हथियारों की नहीं है। आजकल दो चीजें चल रही हैं, नेरेटिव और विमर्श। नेरेटिव बनाने वाले वर्तमान में परेशान हैं। विशिष्ट अतिथि अनीता चौधरी ने कहा कि 1897 में भारत में पहली बार अंग्रेजों द्वारा निर्मित फिल्म देखने को लेकर मिले अपमान के बाद दादा साहेब फाल्के ने कोशिश की और 1913 में पहली भारतीय फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' बनाई। 1967 के बाद से भारतीय सिनेमा के 'रोटी, कपड़ा और मकान' जैसी फिल्मों में आर्थिक मुद्दों को लेकर जागरूकता बढ़ी। 1980 के दशक के बाद फिल्मों की गुणवत्ता में गिरावट देखी गई।

कार्यक्रम अध्यक्ष सीसीएसयू की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि अवार्ड लेना बड़ी बात नहीं है। आपने इसमें भाग लिया यह महत्वपूर्ण है। फिल्म बनाने के लिए बहुत पढ़ना पड़ता है, समाज को देखना और समझना पड़ता है। तब जाकर एक फिल्म बनती है और समाज को संदेश देती है।

विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने बताया कि नवांकुर फिल्म फेस्टिवल की यात्रा 2018 में शुरू हुई थी। इसका उद्देश्य नवोदित फिल्म निर्माताओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी रचनात्मकता को दर्शकों तक पहुंचा सकें।

पुरस्कृत फिल्में

<u>15 मिनट</u>

प्रथम पुरस्कार : हैप्पी दशहरा

द्वितीय पुरस्कार : गोपाल

सांत्वना पुरस्कार : कृष्ण दर्शन, फाइनल बेट, जल देश

<u>पांच मिनट</u>

प्रथम पुरस्कार : शाम तक

द्वितीय पुरस्कार : तीन रंग, समान

सांत्वना पुरस्कार : अहिल्याबाई होलकर, नोटिस : अ बिटर टूथ, गुड़ की नगरी मुजफ्फरनगर।

संबंधित खबर और फोटो पेज 5 पर भी

ड्रोन का निर्माण : सर छोटूराम इंजीनियरिंग कॉलेज की मेक स्टॉर्म टीम के छात्रों सिद्धार्थ, प्रिंस, रविंद्र नाथ, तानिया, कीर्ति और प्रांजलि ने दो ड्रोन का निर्माण किया है। निदेशक डॉ. नीरज सिंघल ने बताया कि ड्रोन का उपयोग सर्वेक्षण, आपदा प्रबंधन, कृषि क्षेत्र में किया जा सकता है।

सीसीएसयू में केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी की मौजूदगी में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और एसपीईएफएल–एससी के साथ दो समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। इस दौरान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के साथ ही पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल समेत मेरठ क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

सीसीएसयू में होगी 'भविष्य कौशल केंद्र' की स्थापना

शुरू होगी राष्ट्रीय कौशल विकास निगम की एकेडमी, युवा सीखेंगे बैडमिंटन रैकेट, शटलकाक बनाना

परिसर संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में एनएसडीसी एकेडमी के तहत फ्यूचर स्किल्स का एक अत्याधुनिक सेंटर स्थापित कर रहा है। इससे युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट आफ थिंग्स, हेल्थकेयर व पैरामेडिकल और लैंग्वेजज जैसे नए टेक्नोलाजी कोर्स में सशक्त बनाया जाएगा। इसके अलावा, स्पोर्ट्स फिजिकल एजुकेशन फिटनेस एंड लीजर स्किल्स काउंसिल (एसपीईएफएल–एससी), सीसीएसयू में एक मैन्युफैक्चरिंग–कम ट्रेनिंग फेसिलिटी भी स्थापित कर रही है। इसमें युवाओं को बैडमिंटन रैकेट व शटलकाक बनाने का प्रशिक्षण मिलेगा। इस एकेडमी में आने वाले समय में अन्य खेलों से संबंधित प्रशिक्षण भी शुरू होंगे।

विश्वविद्यालय परिसर में केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयन्त चौधरी की मौजूदगी में समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

पहला समझौता ज्ञापन एनएसडीसी के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी वेद मणि तिवारी और सीसीएसयू की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के बीच हुआ। इसका उद्देश्य कौशल विकास को मुख्यधारा की शिक्षा में एकीकृत करना है।

दूसरा समझौता ज्ञापन एसपीईएफएल–एससी के सीईओ तहसीन जाहिद और प्रो. संगीता शुक्ला के बीच हुआ। इसका उद्देश्य बैडमिंटन रैकेट और शटलकाक के उत्पादन सह प्रशिक्षण केंद्र में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 600 महिला उम्मीदवारों को सशक्त बनाना है।

जयन्त चौधरी ने कहा, मेरठ में यह सेंटर आफ फ्यूचर स्किल्स नए युग के कोर्स में छात्रों के लिए महत्वपूर्ण ट्रेनिंग की सुविधा के लिए एक शानदार पहल है। एनएसडीसी और सीसीएसयू के बीच यह साझेदारी छात्रों को नई टेक्नोलाजी में कोर्स करने में सक्षम बनाएगा, जो तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण है।

वेद मणि तिवारी ने कहा कि यह एकेडमी तकनीक और गैर–तकनीकी दोनों सेक्टर्स कौशल बढ़ाने में मदद करेगा। अत्याधुनिक हेल्थकेयर और पैरामेडिक टेक्नोलाजी पर ध्यान केंद्रित करेगा और अंतरराष्ट्रीय मोबिलिटी को बढ़ाने के लिए लैंग्वेज कोर्स प्रदान करेगा।

प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा, विश्वविद्यालय परिसर में शटलकाक मैन्युफैक्चरिंग सेंटर की स्थापना से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। इसका फोकस छात्रों को उभरती हुई टेक्नोलाजी में अत्याधुनिक कौशल से लैस करने पर होगा।

एनएसडीसी देश भर में 50 ऐसे सेंटर बनाएगा। इस केंद्र की स्थापना से मेरठ के कौशल विकास, इनोवेशन और रोजगार के लिए एक महत्वपूर्ण सेंटर में बदलने की उम्मीद है। छात्र उद्योग प्रासंगिक क्षमताओं को प्राप्त करते हुए अपनी डिग्री के लिए एकेडमिक क्रेडिट प्राप्त कर सकेंगे।

दो एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

नेशनल इंस्टीट्यूट फार एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्माल बिजनेस डेवलपमेंट ने स्किल डेवलपमेंट नेटवर्क (एसडीएन) के साथ दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। सीसीएसयू मेरठ के साथ हुए एमओयू में उद्यमशीलता कौशल को बढ़ाने, पाठ्यक्रम विकसित करने और प्रशिक्षण, वर्कशाप और इन्क्यूबेशन सपोर्ट के माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा देना शामिल है, जिससे आर्थिक विकास के लिए उद्यमिता शिक्षा और इकोसिस्टम डेवलपमेंट को मजबूत किया जा सके।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय 204वें स्थान पर

परिसर संवाददाता

मेरठ। 12 महीनों के शोध कार्यों के आधार पर जारी नेचर इंडेक्स रैंकिंग–2025 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय देश में एकेडमिक क्षेत्र में 204वें स्थान पर है। सीसीएसयू को ओवरआल 296वां स्थान मिला है। एक जनवरी से 31 दिसंबर 2024 के बीच किए गए शोध कार्यों के प्रदर्शित जर्नल के आधार पर लिए गए डाटा में इस रैंकिंग में देश के 389 उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंकिंग में शामिल किया गया है।

वैश्विक स्तर पर सीसीएसयू को ओवरआल 7,469वीं रैंक और एकेडमिक स्तर पर 3,320वीं रैंक मिली है। वहीं रिसर्च आउटपुट में सीसीएसयू को देश में 86वां स्थान और विश्व में 3,609वां स्थान मिला है।

सीसीएसयू की ओर से पिछले एक वर्ष में बायोलाजिकल साइंसेस पर प्रकाशित किया गया है। इसमें विश्वविद्यालय का शेयर 0.05 प्रतिशत है। लीडिंग रिसर्च टापिक के अंतर्गत मेडिकल माइक्रोबायोलाजी में सीसीएसयू का एक शोध प्रकाशित है, जिसमें विश्वविद्यालय का शेयर 0.05 प्रतिशत है।

● एक जनवरी से 31 दिसंबर तक किए गए शोध कार्यों के आधार पर जारी की गई रैंकिंग

नेचर इंडेक्स की रैंकिंग में देश के भीतर चार संस्थानों संग कोलोबोरेशन शामिल किया गया है। इंस्टीट्यूट आफ लाइफ साइंसेस के साथ कोलोवोरेशन में हुए शोध में कुल शेयर 0.60 प्रतिशत, सीसीएसयू का 0.05 प्रतिशत और आइएलएस का शेयर 0.55 प्रतिशत है। रीजनल सेंटर फार बायोटेक्नोलाजी के साथ कोलोबोरेशन में कुल शेयर 0.25 प्रतिशत है। सीसीएसयू का 0.05 प्रतिशत और आरसीबी का शेयर 0.2 प्रतिशत है। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंसेस के साथ कुल शेयर 0.15 प्रतिशत है। इनमें सीसीएसयू का शेयर 0.05 प्रतिशत और आइआइएस का 0.1 प्रतिशत।

फामफिस के साथ कुल शेयर 0.15 प्रतिशत,सीसीएसयू का 0.05 और फामफिस का 0.1 प्रतिशत है।

स्नातक ऑनर्स और रिसर्च संग स्नातक ऑनर्स के नियम तय

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में सत्र 2024–25 से जारी नई शिक्षा नीति (एनईपी) में एकल मुख्य विषय में चार वर्षीय स्नातक ऑनर्स एवं स्नातक ऑनर्स विद रिसर्च के नियम तय कर दिए गए हैं। चार वर्षीय यानी आठ सेमेस्टर की इस डिग्री को अधिकतम सात वर्ष में पूरा कर सकेंगे। वहीं, एकल मुख्य विषय में एक वर्षीय स्नातक प्रमाण पत्र भी छात्र ले सकेंगे। इसमें स्नातक प्रमाण पत्र के लिए प्रथम वर्ष (दो सेमेस्टर) में 44 क्रेडिट एवं एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम एवं इंटर्नशिप के माध्यम से अनिवार्य चार क्रेडिट अर्थात कुल 48 क्रेडिट अर्जित करना अनिवार्य होगा।

एकल विषय में एक वर्षीय स्नातक प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद अधिकतम तीन वर्ष के भीतर ही स्नातक कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) को पूरा करने का मौका मिलेगा। बता दें कि चार वर्षीय स्नातक कोर्सेज में कई एंट्री और एग्जिट प्वाइंट हैं। जो विद्यार्थी प्रथम वर्ष के बाद अपनी पढ़ाई छोड़ने का निर्णय लेते हैं और उन्होंने 40 क्रेडिट या उससे अधिक प्राप्त किए हैं, उन्हें स्नातक सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इसके अलावा जो लोग गर्मी की छुट्टियों के दौरान चार क्रेडिट का वोकेशनल कोर्स करते हैं, उन्हें तीन साल के भीतर फिर से डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश लेकर अपनी पढ़ाई पूरी करने का अवसर मिलेगा।

डिग्री प्रोग्राम पूरा करने के लिए उनके पास अधिकतम सात साल का समय होगा। इसके अलावा यदि कोई दूसरे वर्ष के बाद अपनी पढ़ाई छोड़ देता है और उसका क्रेडिट स्कोर 80 है तो उसे यूजी डिप्लोमा का ऑफर दिया जाएगा। जो आवेदक तीसरे वर्ष के बाद स्नातक कोर्सेज छोड़ने का निर्णय लेते हैं और उनका स्कोर 120 क्रेडिट है, उन्हें तीन साल की स्नातक डिग्री मिलेगी। इनके अलावा जो विद्यार्थी 160 के क्रेडिट स्कोर के साथ एक प्रमुख विषय में अपना स्नातक कोर्स पूरा करते हैं, उन्हें चार साल की स्नातक ऑनर्स डिग्री मिल सकेगी।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

भाषण एवं नाटक प्रतियोगिता : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में साहित्यिक–सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में अंतर–विश्वविद्यालय, भाषण एवं नाटक प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

फोटोग्राफी में कैमरा और लाइट दोनों ही आवश्यक

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में हुई फोटोग्राफी कार्यशाला

छात्र–छात्राओं को फोटोग्राफी के गुर सिखाते विश्व मोहन नौटियाल।

सूर्य प्रताप सिंह

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल की तरफ से चार दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला का उद्घाटन 18 फरवरी 2025 को किया गया। कार्यशाला में फोटोग्राफी तकनीक और व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञ प्रख्यात फोटोग्राफर विश्व मोहन नौटियाल ने छात्रों को फोटोग्राफी की बारीकियां समझाते हुए कहा कि एक बेहतरीन फोटोग्राफ खींचने के लिए केवल कैमरा पकड़ना ही पर्याप्त नहीं होता बल्कि उसके लिए फोटो की गहरी समझ विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने कैमरे की क्वालिटी, लेंस, अपर्चर और प्रकाश व्यवस्था से संबंधित सामान्य ज्ञान को आवश्यक बताया।

विश्व मोहन नौटियाल ने बताया कि वर्तमान समय में पत्रकारिता में विविधता आने के कारण फोटोग्राफी का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। आउटडोर एवं इनडोर फोटोग्राफी के दौरान प्रकाश व्यवस्था के महत्व को समझते हुए उन्होंने कहा कि एक अच्छी फोटो खींचते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की अनावश्यक शैडो न पड़े और चेहरे पर अधिक रोशनी का रिफ्लेक्शन न हो।

उन्होंने बताया कि समाचार पत्रों के लिए फोटोग्राफी करते समय विशेष सतर्कता की आवश्यकता होती है, क्योंकि किसी भी दृश्य की स्थिति क्षण भर में बदल सकती है। ऐसे में उचित समय का इंतजार करना और सही समय पर कैमरे को क्लिक करना आवश्यक होता है ताकि तस्वीर में स्वाभाविकता बनी रहे और वह दर्शकों व पाठकों को वास्तविकता के अधिक निकट लगे।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने बताया कि चार दिवसीय इस कार्यशाला में फोटोग्राफी के विभिन्न तकनीक एवं कलात्मक पहलुओं को गहराइयों से समझाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि एक प्रभावी फोटो हजार शब्दों के बराबर होती है, इसीलिए फोटोग्राफी को एक सशक्त संचार माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में फोटोग्राफी के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। छात्रों को इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए लगातार अभ्यास एवं नवीन तकनीकियों को अपनाने की आवश्यकता है।

कार्यशाला में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं ने फोटोग्राफी से जुड़े अपने प्रश्न पूछे और महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

कार्यशाला में कैमरा संचालन, विभिन्न प्रकार की लाइटिंग तकनीकों, एंगल चयन, कंपोजिशन, डिजिटल एडिटिंग और फोटो जर्नलिज्म से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

Girish Kumar awarded PhD degree

Shree Dhama

Meerut. Tilak School of journalism and mass communication (TSJMC) at CCSU Meerut, organised a Ph.D viva program on 4 feb 2025. Mr. Grihsh Kumar Singh presented his Ph.D. viva through a PowerPoint presentation (PPT). His research topic was 'The Impact of Advertisements Telecast on Television News Channels on the Buying Behavior of Consumers.

'Professor Pitabas Pradhan from Aligarh Muslim University was the examinar of this viva. After ppt presentation, Professor Pradhan asked numerous questions regarding Grihsh Kumar's research work. Additionally, other professors from the department, research scholars and students also asked several questions.

After that Professor Pradhan seemed satisfied with Grihsh Kumar's research work. He awarded Ph.D to Grihsh Kumar Singh. Girish Kumar completed his Ph.D. under the guidance of Dr. Manoj Kumar Shrivastava. Director of TSJMC Professor Prashant Kumar along with Dr. Manoj Kumar Shrivastava, Dr. Deepika Verma, Dr Beenam Yadav, Lav kumar Singh, many research scholars and students of TSJMC were also present on this occasion.

Girish Kumar presenting his research to the external examiner through a PPT presentation.

हास्य नाटक 'सेंचुरी बुड्ढा' से कुरीतियों पर व्यंग्य

सचिन कुमार

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के सहयोग से 25 फरवरी को भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) के कलाकारों ने रंगभंग के भीष्म पितामह स्वर्गीय शांति वर्मा की स्मृति में हास्य नाटक 'सेंचुरी बुड्ढा' का शानदार मंचन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ अधिवक्ता धम्मदीप सिंह और तिलक पत्रकारिता स्कूल के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में पधारे वरिष्ठ कवि ईश्वर चंद्र गंभीर और डॉ. प्रशांत कुमार का अवनि वर्मा द्वारा बुके देकर अभिनंदन किया गया।

प्रसिद्ध लेखक मनोज मित्र द्वारा लिखित और सांत्वना निगम द्वारा अनूदित इस नाटक ने भूत–प्रेत और अंधविश्वास के माध्यम से समाज की सामंतवादी व्यवस्था पर करारा व्यंग्य किया। नाटक यह दर्शाता है कि सदियों से चली आ रही सामंती व्यवस्था गरीबों का शोषण करती आई है, और समय बदलने के बावजूद यह प्रवृत्ति आज भी जारी है।

कहानी बांछा नामक बुजुर्ग व्यक्ति के इर्द–गिर्द घूमती है, जो अपनी बगिया से अत्यधिक लगाव रखता है। जमींदार नौकोड़ी दत्त उसकी जमीन पर कब्जा करना चाहता है, लेकिन असफल रहता है। उसकी मौत के बाद वह भूत बनकर बांछा को परेशान करने लगता है। वहीं, बांछा का नाती गोपी और बहू अपने–अपने स्वार्थ के लिए उसे जीवित रखना चाहते हैं।

नाटक में जमींदार की साजिशें और परिवार के सदस्यों की नीयत ने दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर दिया। अंततः बांछा की मृत्यु हो जाती है, और उसकी करोड़ों की संपत्ति किसी को नहीं मिलती।

बांछा की भूमिका में मोहम्मद राशिद यूसुफ, नौकोड़ी दत्त के पिता छकौड़ी दत्त की भूमिका में संयम वर्मा, नौकोड़ी दत्त की पत्नी बनीं अवनि वर्मा, गोपी की पत्नी की भूमिका में रुपाली गुप्ता ने अपने अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. गोविंद, संजीव मालिक सहित अन्य कलाकारों ने भी बेहतरीन अभिनय किया।

तकनीकी पक्ष में लाइट और मेकअप की जिम्मेदारी जितेंद्र सी. राज ने संभाली, जबकि संगीत हरीश वर्मा द्वारा दिया गया। मंच व्यवस्था में साजिद सैफी, अयाज सैफी, समद अली और रुबीना का योगदान सराहनीय रहा।

समाचार चैनल का आधार है न्यूजरूम

मेरठ। तिलक स्कूल आफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन में मीडिया छात्रों के लिए 13 फरवरी को विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इसमें टेलीविजन न्यूज रूम की गतिविधियों पर चर्चा की गई। मीडिया शोधार्थी तरुण ठाकुर ने न्यूज रूम की कार्यप्रणाली, टेलीविजन समाचार निर्माण की जटिलताओं और मीडिया उद्योग में निरंतर विकसित हो रही तकनीक पर प्रकाश डाला।

तरुण ठाकुर ने छात्रों को पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं जैसे लाइव रिपोर्टिंग, वीडियो एडिटिंग एवं डिजिटल सामग्री निर्माण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक पत्रकार को दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने की क्षमता विक. सित करनी होती है।

उन्होंने यह भी बताया कि न्यूज रूम में काम करने वाले पत्रकारों के भीतर समस्या–समाधान की योग्यता, विश्लेषणात्मक सोच और प्रभावी लेखन कौशल का होना आवश्यक है। उन्होंने आधुनिक पत्रकारिता में रेडियो, मोबाइल और डिजिटल पत्रकारिता के बढ़ते प्रभाव पर भी चर्चा की। बताया कि कैसे 2010 की अरब स्प्रिंग जैसी घटनाओं के दौरान मोबाइल पत्रकारिता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसके बाद से वैश्विक स्तर पर न्यूज चैनलों ने खुद को बदला है। कार्यशाला के अंत में छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और पत्रकारिता में करियर बनाने के लिए जरूरी कौशल पर सवाल जवाब किए।

महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम : महिला दिवस के उपलक्ष्य में आई.बी.एस. विभाग में छह मार्च को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। बागपत से सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, निदेशक प्रो. अतरीर सिंह, डॉ. अल्का चौधरी ने महिला सशक्तिकरण पर प्रेरणादायक विचार साझा किए।

अभिनंदन...

आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लखनऊ स्थित राजभवन में विशेष समारोह का आयोजन हुआ। समारोह को कुलाधिपति और राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 120 महिलाओं को सम्मानित किया। इन विशिष्ट महिलाओं में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और सहारनपुर स्थित मां शाकंभरी देवी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वाई विमला भी शामिल रहीं। कार्यक्रम के दौरान देवी अहिल्याबाई के जीवन पर नाट्य प्रस्तुति और विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

अंतर छात्रावास प्रतियोगिताओं में युवाओं ने किया प्रतिभा प्रदर्शन

शुभी सक्सैना

मेरठ। फरवरी माह में विश्वविद्यालय में अंतर छात्रावास प्रतियोगिताओं की धूम रही। इस दौरान अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिनमें छात्र–छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता

एथलेटिक्स में 100 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में केपी छात्रावास के प्रियांशु चौधरी ने पहला स्थान प्राप्त किया। बालिकाओं में दुर्गा भाभी छात्रावास की स्नेहा सबसे तेज दौड़ीं। 200 मीटर दौड़ में बालकों में महाराणा प्रताप छात्रावास के अनुज कुमार सबसे तेज रहे। बालिकाओं में दुर्गा भाभी छात्रावास की सुहानी तोमर विजेता बनीं। 400 मीटर दौड़ में भी प्रियांशु चौधरी सबसे आगे रहे। बालिकाओं में स्नेहा नैन विजेता रहीं।

800 मीटर में भी प्रियांशु और स्नेहा ने ही बाजी मारी। शाट पुट यानी गोला फेंक में अनुज कुमार और निशिता ने पहला स्थान पाया। लंबी कूद में बालकों में आयुष तालियान और बालिकाओं में सारिका कुंडू विजेता बने। चक्का फेंक में सूरज बालियान और निशिता, भाला फेंक में अनुज कुमार और डेजी शर्मा ने बाजी मारी। 100 गुणा 4 मीटर रिले दौड़ में बालकों में महाराणा प्रताप और बालिकाओं में दुर्गाभाभी छात्रावास की टीम जीती।

प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. भूपेंद्र सिंह और कुलानुशासक व निदेशक रिसर्च प्रो. बीरपाल सिंह रहे।

वाद–विवाद प्रतियोगिता

अटल समागार में हुई वाद–विवाद प्रतियोगिता का विषय था– क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक भविष्य में रोजगार को समाप्त कर देगी? प्रतियोगिता में निशा चौधरी, आलोक सिंह, नंदिनी आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल में डा. अंजू, डा. सुषमा रामपाल और डा. सोनम शर्मा शामिल रहीं। मुख्य अतिथि जैन कालेज बड़ौत के डा. राजीव कुमार रहे।

डिक्लेमेशन प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को तीन मिनट का समय दिया गया और दो में से किसी एक विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने को कहा गया। ये विषय थे– समाज पर सोशल मीडिया का प्रभाव और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नैतिकता। प्रतियोगिता में पहला स्थान शिवानी धामा ने प्राप्त किया। शगुल बालियन दूसरे और उत्कर्ष यादव तीसरे स्थान पर रहे।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में केपी छात्रावास ने प्रथम, पंडित दीनदयाल उपाध्याय छात्रावास ने द्वितीय और दुर्गा भाभी छात्रावास ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने किया। प्रत्येक टीम में चार सदस्य थे। मंच के स्क्रीन के माध्यम से एक–एक प्रश्न पूछा गया।

बास्केटबाल प्रतियोगिता

पुरुष वर्ग का फाइनल डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम छात्रावास की टीम ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय छात्रावास की टीम को 35–27 से हराकर जीता।

बैडमिंटन प्रतियोगिता

महिला वर्ग की बैडमिंटन प्रतियोगिता में दुर्गा भाभी छात्रावास की माही चौधरी रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास की दिव्या राजपूत को हराकर विजेता बनीं। महिला युगल में रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास की निशाता और कशिश गोलियान विजेता रहीं।

कुश्ती में आयुष ने रजत जीता

सचिन कुमार/शुभी सक्सैना

मेरठ। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के छात्र आयुष ने उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के कुश्ती मुकाबले में रजत पदक प्राप्त किया है। सीसीएसयू के दारा सिंह कुश्ती स्टेडियम में 18–19 फरवरी को हुई प्रतियोगिता के 57 किलोग्राम वर्ग में आयुष ने यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता का आयोजन उत्तर प्रदेश युवा कल्याण विभाग द्वारा किया गया। आयुष ने अपने भार वर्ग में कई पहलवानों को पराजित करके फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में उन्होंने कड़ा संघर्ष किया, मगर उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

साफ्टबाल में मध्यप्रदेश विजेता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में छठी वरिष्ठ वेस्ट जोन राष्ट्रीय साफ्टबाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें पहला स्थान मध्य प्रदेश, दूसरा स्थान राजस्थान और तीसरा स्थान छत्तीसगढ़ की टीम ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने किया।

प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में बेस्ट पिचर छत्तीसगढ़ के किशन रहे। बेस्ट हिटर राजस्थान के युवराज को चुना गया। सबसे अच्छा कैच मध्य के लोकेश ने पकड़ा। महिला वर्ग में बेस्ट पिचर महाराष्ट्र की अंजलि रहीं। बेस्ट हिटर छत्तीसगढ़ की बरखा रहीं। सबसे अच्छा कैच मध्य प्रदेश की तृषा ने पकड़ा। प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने सभी विजेताओं को सम्मानित किया।

सीसीएसयू के खिलाड़ियों ने वुशू में जीते 10 पदक

परिसर संवाददाता

मेरठ। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मोहाली में आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वुशू टूर्नामेंट का आयोजन 22 से 27 फरवरी तक हुआ। इसमें चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी ने ताउलु इवेंट में एक स्वर्ण पदक, एक रजत पदक और एक कांस्य पदक जीता है।

गिन्नी भाटी ने स्वर्ण, शौनक ने रजत और चंचल वर्मा ने कांस्य पदक जीता। सांडा इवेंट के 56 किलो भार वर्ग में राहुल ने स्वर्ण पदक, 70 किलो भार वर्ग में जतिन ने कांस्य पदक, 80 किलो भार वर्ग में अंकित गौतम ने कांस्य पदक, 90 किलो भार वर्ग में गौरव चौहान ने कांस्य पदक, 90 प्लस भार वर्ग में ऋषभ खोकर ने कांस्य पदक जीता है।

महिला वर्ग में खुशी हुड्डा ने 48 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक, 52 किलो भार वर्ग में अनुष्का भाटी ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

वर्कशॉप का आयोजन : अर्थशास्त्र विभाग में 'डाटा एनालिसिस के लिए आर सॉफ्टवेयर' पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन छह और सात मार्च को किया गया। इसमें मुख्य अतिथि सीसीएसयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा

दहेज मुक्त–नशा मुक्त भारत अभियान में बना कीर्तिमान

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में एक साथ सभी ने एक घंटे तक पढ़ीं किताबें, ली गई सामूहिक शपथ

परिसर संवाददाता

मेरठ। प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज को दहेज एवं नशा जैसी सामाजिक कुरीतियों से मुक्त करने की दिशा में जनसहभागिता को बढ़ावा देने के मकसद से अमूतपूर्व अभियान चलाया गया। पढ़े विश्वविद्यालय, बढ़े विश्वविद्यालय एवं दहेजमुक्त भारत, नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कीर्तिमान बनाया गया।

चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध महाविद्यालयों में भी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस अभियान में सक्रिय सहभागिता की। विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों में सामूहिक पुस्तक पाठन किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। दहेजमुक्त भारत एवं नशामुक्त भारत की सामूहिक शपथ ली गई, जिसमें समाज सुधार का संकल्प लिया गया। डिजिटल भागीदारी करने के लिए विशेष गूगल फॉर्म एवं बारकोड जारी किया गया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस समागार में सामूहिक रूप से पुस्तक पढ़तीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक और छात्र।

राजा महेंद्र प्रताप पुस्तकालय में स्वास्तिक आकृति में बैठकर छात्रों ने सामूहिक पुस्तक पाठन किया। ललित कला विभाग के छात्रों ने कैनवास पर नशामुक्त भारत, दहेजमुक्त भारत विषय पर चित्रकारी कर सामाजिक संदेशों का सृजनात्मक माध्यम प्रस्तुत किया। योग विज्ञान विभाग के छात्रों ने विभिन्न योग मुद्राओं में पुस्तक पाठन कर समाज में शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक सशक्तिकरण का संदेश दिया।

विवि एवं महाविद्यालयों के पुस्तकालयों एवं विभागों में छात्रों एवं शिक्षकों ने विभिन्न साहित्यिक, शैक्षिक एवं प्रेरणादायक पुस्तकों का अध्ययन कर ज्ञान की शक्ति को आत्मसात किया। विभिन्न संकायों में दहेज एवं नशा उन्मूलन पर परिचर्चाएँ एवं संगोष्ठियों की गईं। पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिताएं की गईं।

मुख्य कार्यक्रम नेताजी सुभाष चंद्र बोस समागार में हुआ। इस दौरान कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य विश्व कीर्तिमान बनाना ही नहीं था, बल्कि समाज को शिक्षित, जागरूक एवं संवेदनशील बनाना था।

प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि हम सभी एकजुट होकर नशा और दहेज जैसी कुरीतियों को समाप्त करने का संकल्प लें तो सशक्त, विकसित एवं समरस समाज की नींव रख सकते है। पढ़ेगा भारत तभी तो बढ़ेगा भारत। शिक्षा ही समाज को प्रगति की ओर ले जाने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

कुलपति ने कहा कि यह अभियान केवल एक दिन की पहल नहीं, बल्कि समाज में दीर्घकालिक परिवर्तन लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अभियान की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि शिक्षा, संकल्प और जनसहयोग का संगम हो, तो कोई भी सामाजिक बुराई समाप्त की जा सकती है।

नवांकुर फिल्मोत्सव

खास बातें

- नवांकुर फिल्मोत्सव की शुरुआत 2018 से हुई
- तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल और मेरठ चलचित्र सोसायटी संयुक्त रूप से इसका आयोजन करते हैं
- यह इस महोत्सव का पांचवां संस्करण था
- फिल्मोत्सव में करीब 50 फिल्मों का रजिस्ट्रेशन हुआ
- जूरी ने 20 फिल्मों का चयन किया जिन्हें दर्शकों को दिखाया गया
- महोत्सव से स्थानीय प्रतिभाओं को सशक्त मंच मिलता है

फिल्मोत्सव में सुरेंद्र सिंह का स्वागत करते मेरठ चलचित्र सोसायटी के सचिव अमरीश पाठक।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला को पादप गेंट करते तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार।

फिल्मों के विजेता कलाकार अपने पुरस्कार के साथ (बाएं) और आरएसएस के क्षेत्र प्रचार प्रमुख पदम सिंह का स्वागत करते डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव (दाएं)

टेक्नोलॉजी

गर्मी में ठंडी रहेंगी इमारतें, ऊर्जा की होगी बचत

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विवि के सीवी रमन सेमिनार हॉल में इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोलॉजी विषय पर व्याख्यान किया गया। इसमें आरएमआईटी यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया के प्रोफेसर सुमीत वालिया ने विषय पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने द्वि–आयामी सामग्री जैसी उन्नत तकनीकों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि शीशों पर टू–डी मेटेरियल की कोटिंग से इमारतों को गर्मी के दिनों में भी ठंडा रखा जा सकता है। उन्होंने कुछ नई तकनीकों के साथ इसकी उपयोगिता के बारे में बताया।

प्रो. सुमीत वालिया ने द्वि–आयामी सामग्री जैसे मॉलीब्डेनम डाइसल्फाइड के अद्वितीय गुणों और उनके बेहतर प्रयोग के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इन सामग्रियों में अत्यधिक हल्कापन, उच्च यांत्रिक शक्ति और बेहतर विद्युत एवं ऑप्टिकल गुण होते हैं।

उन्होंने समझाया कि कैसे ऑस्ट्रेलिया में पतली ओजोन परत के कारण पराबैंगनी विकिरण से बचाव के लिए

- सीसीएसयू में आस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ने द्वियामी सामग्री के प्रयोग की तकनीकें बताईं

टू–डी सामाग्री के विशेष पैच तैयार किए जा रहे हैं।

यह भी बताया कि इमारतों की खिड़कियों और दीवारों पर टू–डी सामाग्री की कोटिंग करके ऊर्जा की बचत की जा सकती है। गर्मियों में यह कोटिंग घर को ठंडा रखती है और सर्दियों में गर्म। इससे ऊर्जा खपत में कमी आती है।

प्रो. वालिया ने न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग के क्षेत्र में टू–डी सामाग्री के उपयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इसमें अत्यधिक कुशल और ऊर्जा–संवेदनशील उपकरणों का निर्माण शामिल है। उन्होंने बताया कि ये सामाग्री अगली पीढ़ी के ट्रांजिस्टर, सेंसर, फलेक्सिबल डिस्प्ले, सोलर सेल और ऑप्टिकल उपकरणों के विकास में क्रांति ला रही हैं। इस दौरान विवि के छात्रों को आरएमआईटी यूनिवर्सिटी और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में उपलब्ध शोध अवसरों और छात्रवृत्ति के बारे में बताया गया। विवि प्रशासन ने प्रो. सुमीत वालिया को सेंटर फॉर इंटरनेशनल को–ऑपरेशन के तहत एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य के रूप मे नामित किया। शोध निदेशक प्रो. वीरपाल सिंह ने विवि की उपलब्धियों रैंकिंग पर आधारित प्रस्तुति दी।

विचार गोष्ठी : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित कांशीराम शोध पीठ में कांशीराम जयंती पर 'सतत विकास लक्ष्य : गरीबी उन्मूलन और शून्य भुखमरी' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें विद्वानों ने समावेशी विकास व सामाजिक न्याय पर विचार साझा किए।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में पहुंचने पर पूर्वोत्तर के राज्यों के छात्र–छात्राओं का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान छात्रों को फूल–मालाओं से सजे वाहनों में विभिन्न विभागों में ले जाया गया।

पार्ट टाइम पीएचडी का रास्ता खुला

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की विद्वत परिषद की बैठक में पार्ट टाइम पीएचडी करने वालों को राहत दी गई। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि जिन शोध छात्रों की पीएचडी करने के दौरान नौकरी लग जाती है, वे रेगुलर मोड से पार्ट टाइम पीएचडी मोड के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कोई छात्र विभाग द्वारा निर्धारित अनिवार्य पाठ्यक्रम के अतिरिक्त अंतर–विषयक पाठ्यक्रम लेना चाहता है तो उसे प्रोत्साहित किया जाएगा। इस स्थिति में छात्र को एनटीए या एनपीटीईएल द्वारा नामित केंद्रों पर अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में शामिल होना होगा। समिति ने निर्णय लिया कि यूजी ऑनर्स कार्यक्रम के लिए वैल्यू एडिशन कोर्स (2 क्रेडिट) केवल द्वितीय सेमेस्टर में स्वयं पोर्टल के माध्यम से अनुमति दी जाएगी। अन्य सेमेस्टरों के लिए वैल्यू एडिशन कोर्स पाठ्यक्रम विभाग में भौतिक रूप से संचालित किए जाएंगे। यदि दूसरे सेमेस्टर में संबंधित विषय का कोई उपयुक्त पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं होता है तो इसे चौथे सेमेस्टर में चुना जा सकता है। मूल्यांकन को तरीका इस प्रकार होगा कि 30 प्रतिशत अंक स्वयं द्वारा आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर दिए जाएंगे। 70 प्रतिशत अंक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के आधार पर दिए जाएंगे।

मेरठ का वैभव और स्वागत देख गदगद हुए पूर्वोत्तर के छात्र

परिसर संवाददाता

मेरठ। पूर्वोत्तर भारत के सात राज्य अरुणाचल, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड ओर त्रिपुरा से मेरठ पहुंचे 30 छात्र–छात्राओं का चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में भव्य स्वागत किया गया। मेरठ का वैभव और स्वागत देख पूर्वोत्तर के विद्यार्थी गदगद हो उठे। छात्र–छात्राओं ने परिसर का भ्रमण किया और विभिन्न विभागों के साथ ही ज्वैलरी निर्माण को भी देखा। छात्रों को उपहार भी भेंट किए गए।

सात पूर्वोत्तर राज्यों के एक–एक छात्र की ट्यूशन फीस होगी माफ

सीसीएसयू की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने इस अवसर पर पूर्वोत्तर भारत के प्रत्येक राज्य से एक–एक छात्र के सीसीएसयू में प्रवेश लेने पर ट्यूशन फीस माफ करने की घोषणा की। प्रोफेसर संगीता शुक्ला के अनुसार इस पहल का उद्देश्य छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना है। प्रति कुलपति प्रोफेसर मृदुल गुप्ता ने कहा कि सीसीएसयू पूर्वोत्तर के छात्रों को आगे बढ़ाने का इच्छुक है।

यह आयोजन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अंतर–राज्य छात्र जीवन दर्शन कार्यक्रम के तहत पूर्वोत्तर के छात्रों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया। छात्र–छात्राओं ने सबसे पहले परिसर में लगीं महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। मुख्य द्वार से अंबेडकर प्रतिमा स्थल तक छात्रों के लिए रेड कार्पेट बिछाया गया था।

इसके बाद छात्र–छात्राएं ललित कला विभाग पहुंचे और कला की बारीकियां जानीं। डॉ. अलका तिवारी ने उन्हें पेंटिंग भेंट की। इसके बाद छात्र तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल पहुंचे। यहां विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने छात्रों को ऑडियो–वीडियो स्टूडियो, 90.8 सीसीएसयू रेडियो स्टूडियो की कार्यप्रणाली को समझाया। छात्र–छात्राओं को भेंट में सुंदर कप दिए गए।

इसके बाद इतिहास विभाग में प्रोफेसर कृष्णकांत शर्मा ने छात्रों को पुरातत्व और क्रांतिकारी इतिहास की जानकारी दी। विधि विभाग में डॉ. विवेक त्यागी ने मूट कोर्ट में अदालती कार्यवाही का डेमो दिखाया। ज्वैलरी एंड डिजाइनिंग विभाग में प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने आभूषण बनाने की प्रक्रिया दिखाई। यहां छात्रों को एक–एक ब्रेसलेट उपहार में दिया गया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस सभागार में छात्रों के सम्मान में हुए विशेष स्वागत कार्यक्रम में राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग, कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि पूर्वोत्तर के सात राज्य पुष्पगुच्छ के समान हैं। देश के 29 राज्य एक परिवार की तरह हैं और इन सात राज्यों का विशेष महत्व है।

एबीवीपी के क्षेत्र संगठन मंत्री मनोज निखरा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता को सशक्त करने की दिशा में यह नई पहल है। इस दौरान रजिस्ट्रार धीरेंद्र वर्मा, प्रोफेसर वीरपाल सिंह,. प्रोफेसर भूपेंद्रसिंह, प्रोफेसर आलोक कुमार, प्रोफेसर राकेश सहित अनेक शिक्षक व छात्र मौजूद रहे।

उपलब्धि...

वीबीसीबी 2025 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सीसीएसयू की एमएससी पॉलिमर साइंस की छात्रा प्रेरणा कौशिक और शैली शर्मा ने डॉ. मीनू तेवतिया के मार्गदर्शन में कचरे को मूल्यवान सामग्री में परिवर्तित करने पर अपने शोध के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।

श्रद्धांजलि...

ललित कला विभाग में पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। छात्रों ने हस्तनिर्मित चित्रों, पोस्टर व स्लोगनों, कैंडल मार्च और देशभक्ति नारों के माध्यम से वीरों की शहादत को नमन किया।